आय के स्रोत से जोड़े जाएंगे पर्यटन स्थलों के आसपास के होम स्टे

अमर उजाला ब्यूरो

होम स्टे के आसपास के लोगों की आमदनी बढ़ाने के लिए शोध कर रही संस्था

पर्यटन विभाग बेवीवर नेस्टस के सहयोग से करेगा ये कार्य

लखनऊ। विदेश की तर्ज पर यूपी में पर्यटन स्थलों के आसपास के होम स्टे आय के स्रोत से जोड़े जाएंगे। बुनियादी सुविधाएं भी विकसित की जाएंगी। पर्यटन विभाग ये कार्य बेवीवर नेस्टस के सहयोग से करेगा। यह संस्था बुनियादी सुविधा विकसित करने और होम स्टे के आसपास के लोगों की आमदनी बढ़ाने के लिए शोध कर रही है।

विभाग होम स्टे का लाभ उठाने वाले पर्यटकों को स्थानीय जीवन की विविधता, परंपरा, वेशभूषा, रहन-सहन, खानपान आदि के बारे जानकारी देगा। ताकि पर्यटक स्थानीय जीवन को पास से समझ सकें और अच्छा अनुभव लेकर लौटें। इसके लिए हाल ही में पर्यटन विभाग ने बेवीवर नेस्टस के साथ एमओयू किया है।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि हमारा उद्देश्य होम स्टे क्षेत्र की चुनौतियों व संभावनाओं को समझते हुए उसके विकास के लिए बेहतर कदम उठाना है। इससे पर्यटन और स्थानीय व्यवसाय को काफी लाभ होगा। इससे प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों में होम स्टे सुविधाओं का न केवल विस्तार होगा बल्कि उनके प्रबंधन व गुणवत्ता में भी सुधार आएगा।

उन्होंने बताया कि यह शोध आगरा, वाराणसी और आसपास के पर्यटन स्थलों में होम स्टे व्यवसाय को बढ़ावा देने, पर्यटकों के अनुभव को बेहतर बनाने और स्थानीय पर्यटन को प्रोत्साहित करने के लिए किया जा रहा है।

इस समझौते का उद्देश्य न केवल पंजीकृत होम स्टे को सुधारना है, बल्कि गैरपंजीकृत होम स्टे को भी पर्यटन के मानकों में लाना है।